अनुक्रम

जैन आचार्य चरितावली १–१२१

परिशिष्ट

१. लोंकागच्छ की परम्परा १२२–१३१

२. श्री जीवराजजी म० और सम्बद्ध शाखाएँ १३१–१३५

३. ,, धर्मसिंहजी म० ,, ,, ,, १३५–१३९

४. ,, लवजी ऋषि ,, ,, ,, १३९–१४३

५. ,, हरजी ऋषि ,, ,, ,, १४३–१४५

६. ,, धर्मदासजी म० ,, ,, ,, १४५–१५४

७. ,, धन्नाजी म० का परिवार १५५–१६१

अनुक्रमणिका

(क) आचार्य, मुनि, राजा, श्रावकादि १६२–१७२

(ख) ग्राम, नगर, प्रान्तादि १७३–१७५

(ग) गण, गच्छ, शाखा, वंशादि १७५–१७७

(घ) सूत्र-ग्रन्थादि १७७–१७७

शुद्धि-पत्र १७८–१७९